श्रीः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः
श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

# ॥ श्री भगवद्रामानुजाष्टोत्तरशतनामावळिः ॥

*This document* has been prepared by*

***Sunder Kidāmbi***

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

**His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam***

*This was typeset using LaTeX and the **skt** font.

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

# ॥ श्री भगवद्रामानुजाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | ओं श्रीरामानुजाय नमः | 2 | ओं पुष्कराक्षाय नमः |
| 3 | ओं यतीन्द्राय नमः | 4 | ओं करुणाकराय नमः |
| 5 | ओं कान्तिमत्यात्मजाय नमः | 6 | ओं श्रीमते नमः |
| 7 | ओं लीलामानुषविग्रहाय नमः | 8 | ओं सर्वशास्त्रार्थतत्वज्ञाय नमः |
| 9 | ओं सर्वज्ञाय नमः | 10 | ओं सज्जनप्रियाय नमः |
| 11 | ओं नारायणकृपापात्राय नमः | 12 | ओं श्रीभूतपुरनायकाय नमः |
| 13 | ओं अनघाय नमः | 14 | ओं भक्तमन्दाराय नमः |
| 15 | ओं केशवानन्दवर्धनाय नमः | 16 | ओं काञ्चीपूर्णप्रियसखाय नमः |
| 17 | ओं प्रणतार्तिविनाशकाय नमः | 18 | ओं पुण्य सङ्कीर्तनाय नमः |
| 19 | ओं पुण्याय नमः | 20 | ओं ब्रह्मराक्षसमोचकाय नमः |
| 21 | ओं यादवापादितापार्थवृक्षच्छेद कुठारकाय नमः | 22 | ओं अमोघाय नमः |
| 23 | ओं लक्ष्मणमुनये नमः | 24 | ओं शारदाशोकनाशकाय नमः |
| 25 | ओं निरन्तरजनाज्ञाननिर्मोचन विचक्षणाय नमः | 26 | ओं वेदान्तद्वयसारज्ञाय नमः |
| 27 | ओं वरदाम्बुप्रदायकाय नमः | 28 | ओं वरदाभिप्रायतत्वज्ञाय नमः |
| 29 | ओं यामुनाङ्गुलिमोचकाय नमः | 30 | ओं देवराजकृपालब्धषड्वाक्यार्थ महोदधये नमः |
| 31 | ओं पूर्णार्यलब्धसन्मन्त्राय नमः | 32 | ओं शौरिपादाब्जषद्वदाय नमः |

www.prapatti.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| 33 | ओं फणापृष्ठलद्विष्णुपादाङ्क समपुण्ड्रवते नमः | 34 | ओं त्रिदण्डधारिणे नमः |
| 35 | ओं ब्रह्मज्ञाय नमः | 36 | ओं ब्रह्मज्ञानपरायणाय नमः |
| 37 | ओं रङ्गेशकैङ्कर्यरताय नमः | 38 | ओं विभूतिद्वयनायकाय नमः |
| 39 | ओं गोष्ठीपूर्णकृपालब्धमन्त्रराज प्रकाशकाय नमः | 40 | ओं वररङ्गानुकम्पात्त-द्राविडाम्नाय पारगाय नमः |
| 41 | ओं मालाधरार्यसुज्ञात द्राविडाम्नाय तत्वधिये नमः | 42 | ओं चतुस्सप्ततिशिष्याड्याय नम-: |
| 43 | ओं पञ्चाचार्य पदाश्रयाय नमः | 44 | ओं प्रपीतविषतीर्थाम्भः प्रकटीकृतवैभवाय नमः |
| 45 | ओं प्रपन्नजनकूटस्थाय नमः | 46 | ओं गोविन्दार्यद्विजानुजाय नमः |
| 47 | ओं प्रणतार्तिहराचार्यदत्तभिक्षैक भोजनाय नमः | 48 | ओं पवित्रीकृतकूरेशाय नमः |
| 49 | ओं भागिनेय त्रिदण्दकाय नमः | 50 | ओं कूरेशदाशरथ्यादिचरमार्थ-प्रदर्शकाय नमः |
| 51 | ओं रङ्गेशवेङ्कटेशादि प्रकटीकृतवैभवाय नमः | 52 | ओं देवराजार्चनरताय नमः |
| 53 | ओं मूकमुक्तिप्रदायकाय नमः | 54 | ओं यज्ञमूर्ति प्रतिष्ठात्रे नमः |
| 55 | ओं मन्त्रदाय नमः | 56 | ओं धरणीधराय नमः |
| 57 | ओं वरदाचार्यसद्भक्ताय नमः | 58 | ओं यज्ञेशार्तिविनाशकाय नमः |
| 59 | ओं अनन्ताभीष्टफलप्रदाय नमः | 60 | ओं विठलेन्द्रप्रपूजिताय नमः |
| 61 | ओं श्रीशैलपूर्णकरुणालब्ध रामायणार्थकाय नमः | 62 | ओं व्याससूत्रार्थतत्वज्ञाय नमः |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 63 | ओं बोधायन मतानुगाय नमः | 64 | ओं श्रीभाष्यादिमहाग्रन्थ-कारकाय नमः |
| 65 | ओं कलिनाशकाय नमः | 66 | ओं अद्वैतमतविच्छेत्रे नमः |
| 67 | ओं विशिष्टाद्वैतपारगाय नमः | 68 | ओं कुरङ्गनगरीपूर्णमन्त्र-रत्नोपदेशकाय नमः |
| 69 | ओं विनाशिताखिलमताय नमः | 70 | ओं शेषीकृतरमापतये नमः |
| 71 | ओं पुत्रीकृतशठारातये नमः | 72 | ओं शठजिदृणमोचकाय नमः |
| 73 | ओं भाषादत्तहयग्रीवाय नमः | 74 | ओं भाष्यकाराय नमः |
| 75 | ओं महायशसे नमः | 76 | ओं पवित्रीकृत भूभागाय नमः |
| 77 | ओं कूर्मनाथ प्रकाशकाय नमः | 78 | ओं श्रीवेङ्कटाचलाधीश शङ्खचक्रप्रदायकाय नमः |
| 79 | ओं श्रीवेङ्केशश्वशुराय नमः | 80 | ओं श्रीरमासखदेशिकाय नमः |
| 81 | ओं कृपामात्रप्रसन्नार्याय नमः | 82 | ओं गोपिकामोक्षदायकाय नमः |
| 83 | ओं समीचीनार्य सच्छिष्यसत्कृताय नमः | 84 | ओं वैष्णवप्रियाय नमः |
| 85 | ओं कृमिकण्ठनृपध्वंसिने नमः | 86 | ओं सर्वमन्त्रमहोदधये नमः |
| 87 | ओं अङ्गीकृतान्ध्रपूर्णाय नमः | 88 | ओं सालग्रामप्रतिष्ठिताय नमः |
| 89 | ओं श्रीभक्तग्रामपूर्णेशाय नमः | 90 | ओं विष्णुवर्धनरक्षकाय नमः |
| 91 | ओं बौद्धध्वान्तसहस्रांशवे नमः | 92 | ओं शेषरूपप्रदर्शकाय नमः |
| 93 | ओं नगरीकृतवेदाद्रये नमः | 94 | ओं डिल्लीश्वर समर्चिताय नमः |
| 95 | ओं नारायण प्रतिष्ठात्रे नमः | 96 | ओं संपत्पुत्रविमोचकाय नमः |

www.prapatti.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| 97 | ओं संपत्कुमारजनकाय नमः | 98 | ओं साधुलोकशिखामणये नमः |
| 99 | ओं सुप्रतिष्ठित गोविन्दराजाय नमः | 100 | ओं पूर्णमनोरथाय नमः |
| 101 | ओं गोदाग्रजाय नमः | 102 | ओं दिग्विजेत्रे नमः |
| 103 | ओं गोदाभीष्टप्रपूरकाय नमः | 104 | ओं सर्वसंशयविच्छेत्रे नमः |
| 105 | ओं विष्णुलोक प्रदायकाय नमः | 106 | ओं अव्याहत महद्वर्त्मने नमः |
| 107 | ओं यतिराजाय नमः | 108 | ओं जगद्गुरवे नमः |
| 109 | ओं रङ्गेशदास्य साम्राज्य-नायकाय नमः | 110 | ओं शिखयोज्ज्वलाय नमः |
| 111 | ओं काषायाम्बर संवीताय नमः | 112 | ओं यज्ञसूत्रविशोभिताय नमः |
| 113 | ओं कलिकोलाहलध्वान्त-भास्कराय नमः | 114 | ओं भक्तवत्सलाय नमः |
| 115 | ओं दिक्सौधशिखराबद्धजैत्रध्वज-पटाय नमः | 116 | ओं महते नमः |
| 117 | ओं श्रीमते रामानुजाय नमः | | |

॥ इति श्री भगवद्रामानुजाष्टोत्तरशतनामावळिः संपूर्णा ॥

www.prapatti.com